विहिप-बजरंग दल का झूठ सामने आया

फ़रीदाबाद (मज़दूर मोर्चा) भगवा दंगाई बिट्टू बजरंगी के पकड़े जाने पर उससे पल्ला छुड़ाने वाले विश्व हिंदू परिषद और बजरंगदल की सच्चाई सामने आ गई। बिट्टू के गिरफ्तार होने के दूसरे दिन यानी 16 अगस्त को ही विहिप ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया था कि ''राजकुमार उर्फ बिट्टू बजरंगी, जिसे बजरंग दल का कार्यकर्ता बताया जा रहा है, उसका बजरंग दल से कभी कोई संबंध नहीं रहा। बीते मंगलवार को राष्ट्रीय बजरंग दल ने बिट्टू की रिहाई के लिए पलवल में डीसी कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन कर विहिप के दावों को झूठा साबित कर दिया।

राष्ट्रीय बजरंग दल के क्षेत्रीय महामंत्री मुनीष भारद्वाज ने दंगे का ठीकरा मेवाती मुस्लिम समाज पर फोड़ते हुए कहा कि नूंह में जलाभिषेक यात्रा के लिए मेव बहुत दिन पहले से धमकी दे रहे थे। सरकार के पास सीआईडी रिपोर्ट थी कि दंगा होगा लेकिन फिर भी सुरक्षा के कोई इंतजाम नहीं किए गए। आरोप लगाया कि राजनीति के कारण सुरक्षा नहीं दी गयी या प्रशासन का कोई अधिकारी सुरक्षा नहीं देकर दंगा करवाना चाहता था। उन्होंने बिट्टू को निर्दोष बताते हुए रिहा करने की मांग की।

एक ओर विहिप ने बिट्टू को उसके सहयोगी संगठन बजरंगदल का होने से इनकार किया तो मुनीष भारद्वाज उसे छुड़ाने के लिए क्यों आगे आए? संघ को करीब से जानने वालों के अनुसार संघ और उसके अनुषांगिक संगठनों की नीति धर्म के नाम पर भावनाएं भड़का कर दंगे करवाने और खुद को इनसे अलग दिखाने वाली रही है। उड़ीसा में पादरी ग्राहम स्टेंस और उसके मासूम बच्चों को जला कर मार डालने वाले दारा सिंह का उदाहरण देते हुए बताते हैं कि घटना के बाद विहिप, बजरंग दल आदि सबने दारा सिंह को बजरंग दल का सदस्य मानने से इनकार कर दिया था। इस तरह की न जाने कितनी घटनाएं हैं जब दंगे, हत्या करने वालों से इन संगठनों ने सार्वजनिक रूप से किनारा कर लिया। बिलकुल यही काम विहिप ने बिट्टू बजरंगी के मामले में किया। सभी जानते हैं कि बिट्टू विहिप, संघ, बजरंग दल आदि भगवा दंगाई संगठनों के हाथों में खेल रहा था।

अब सवाल ये कि मुनीष भारद्वाज बिट्टू के समर्थन में खुलेआम क्यों कूद पड़े? जानकार बताते हैं कि बिट्टू से किनारा करने के कारण बहुत से ऐसे युवा जो विहिप आदि की दुष्प्रेरणा से मारने काटने तक को तैयार रहते थे आशंकित हो गए। इन युवाओं को लगा कि बिट्टू जैसे कद्दावर से पल्ला झाड़ लिया गया तो वे तो किसी गिनती में भी नहीं आते, यानी विहिप दंगे हमसे करवाए और अगर हम फंसें तो किनारा कर लेगी। घटना से युवाओं का मोहभंग होते देख रणनीति बदली गई और मुनीष भारद्वाज को युवाओं को थामे रखने के लिए प्रदर्शन का ढोंग किया। जानकार यह भी कहते हैं कि संघ की नीति दो कदम आगे, एक कदम पीछे की है। यानी बिट्टू बजरंगी से सार्वजनिक तौर पर तो पल्ला झाड़ लिया गया लेकिन पीठ पीछे उसका समर्थन जारी है।

संघ से जुड़े वकीलों से लेकर अधिकारी और कथित सामाजिक कार्यकर्ताओं की फौज जेल में बंद बिट्टू को छुड़ाने के प्रयास से लेकर उसकी सेवा टहल में लगी है। बहुत संभव है कि उसके जेल से बाहर आने पर पल्ला झाड़ने वाले यही हिंदूवादी संगठन फूल माला और जुलूस के जरिए उसका स्वागत करेंगे।

बेशर्मी पर उतरे हैं अधिकारी, जरा सी बारिश में डूबा रेलवे अंडरपास

फ़रीदाबाद (मज़दूर मोर्चा) बीते शनिवार शहर में भोर पांच बजे के करीब बारिश हुई। एक घंटे हुई बारिश में ओल्ड रेलवे अंडरपास में आठ से दस फीट पानी भर गया। निकम्मे अधिकारियों ने अंडरपास से पानी निकलवाने की कोई व्यवस्था नहीं की। इस दौरान कई दो पहिया, चार पहिया और बड़े वाहन पानी चले जाने के कारण खराब हो गए। कुछ के इंजन में पानी गया तो पानी से वायरिंग शॉर्ट होने के कारण कुछ वाहनों के महंगे इलेक्ट्रॉनिक पार्ट्स व सर्किट खराब हुए।

ओल्ड फरीदाबाद से रेलवे स्टेशन और एनआईटी को जोड़ने वाला यह अंडरपास इतना महत्वपूर्ण है कि यहां चौबीस घंटे वाहनों की आवाजाही रहती है। बावजूद इसके नगर निगम, एफएमडीए और स्मार्ट सिटी के अधिकारियों ने यहां यातायात सुचारू कराने के कोई इंतजाम नहीं किए। मजबूर लोगों को बड़खल या अजरौंदा-नीलम पुल का लंबा रास्ता तय करना पड़ा। सबसे ज्यादा परेशानी पैदल, साइकिल और रिक्शा चालकों को हुई, उन्हें काफी लंबा चक्कर लगाना पड़ा। शाम छह बजे तक अंडरपास में जलभराव बना रहा। नाला सफाई के नाम पर करोड़ों रुपये डकारने वाले डकैत अधिकारियों ने फिर भी इसकी सुध नहीं ली। पानी अपने आप नीचे उतरा तब जाकर रात में यातायात शुरू हो सका।

फरीदाबाद रेलवे स्टेशन को एयरपोर्ट की तर्ज पर विकसित करने की घोषणा करने वाले भाजपा नेताओं को यहां का रेलवे अंडरपास नज़र नहीं आता। ज़रा सी बारिश में अंडरपास में इतना जलभराव होता है कि घंटों और कई बार तो कई दिन तक आवागमन ठप हो जाता है। सुनियोजित विकास का ढिंढोरा पीटने वाले नगर निगम, स्मार्ट सिटी और एफएमडीए के 'क़ाबिल' अधिकारी ओल्ड फरीदाबाद और एनआईटी को जोड़ने वाले इस प्रमुख और महत्वपूर्ण रास्ते को बारह मास आवागमन योग्य नहीं बना सके हैं।

दरअसल, ओल्ड फरीदाबाद का रेलवे अंडरपास लंबे समय से प्रशासनिक हरामखोरी, भ्रष्टाचार और निकम्मेपन का शिकार है। यहां जल निकासी की कोई व्यवस्था ही नहीं है। सामान्य दिनों में भी यहां संत नगर कॉलोनी के ओवरफ्लो सीवरों का गंदा पानी बहता रहता है। शहरियों को मूलभूत नागरिक सुविधाएं देने वाले एफएमडीए, स्मार्ट सिटी और नगर निगम होने के बावजूद अंडरपास की नालियों की सफाई कभी नहीं की जाती। नाली ढकने वाले कवर की सरिया टेढ़ी होकर टूट गई हैं और गड्ढा हो गया है, जिसमें फंस कर वाहन खराब होते हैं और जाम लगता है। पैदल यात्रियों के लिए नाले के ऊपर बने फुटपाथ की स्लैब भी जगह जगह गायब हैं। अंडर पास में अव्यवस्था का आलम यह है कि दिन में घुप्प अंधेरा रहता है, कहने को तो लाइट लगी हैं जो कभी जलती नहीं है इससे हादसे की आशंका बनी रहती है। इस सब के पीछे मूल कारण सभी प्राधिकरणों में बैठे हरामखोर व भ्रष्ट अधिकारी हैं जिन्हें राजनेताओं का पूरा संरक्षण हासिल है। वे जानते हैं कि उनकी हरामखोरी के लिए उन्हें कोई पूछने वाला नहीं है।

हाल ही में मोदी ने फरीदाबाद स्टेशन को एयरपोर्ट की तर्ज पर बनाने का जुमला फेका है। पहले स्लम से बदतर हालात वाले ओल्ड अंडरपास और चौबीस घंटे सीवर के गंदे पानी से लबालब रहने वाले स्टेशन रोड को तो ठीक करा लो। मोदी के स्मार्ट सिटी जुमले को साकार करने के नाम तीन हजार करोड़ से अधिक रुपये डकारने वाले नगर निगम, एफएमडीए ओर स्मार्ट सिटी में बैठे चोर डकैतों को शर्म भी नहीं आती कि जनता परेशान है। खैर, इनको क्या शर्म आएगी जब लगभग हर महीने आने वाले खट्टर को फरीदाबाद के हालात देख कर शर्म नहीं आती। सबका एक ही मकसद है ज्यादा से ज्यादा लूट कमाई, जनता की किसे परवाह है।

डेंगू सहित अन्य बीमारियों से बचाव के लिए सावधानी बरतें नागरिक : डीसी

करनाल। डीसी अनीश यादव ने जिले के नागरिकों से गर्मी के मौसम में डेंगू सहित अन्य बीमारियों से बचाव के लिए जरूरी सावधानी बरतने की सलाह दी है। डेंगू से बचाव लिए सतर्कता व जागरूकता बेहद जरूरी है। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य विभाग की ओर से आमजन को डेंगू से बचाव बारे सचेत व जागरूक किया जा रहा है।

डेंगू की रोकथाम के लिए जन समुदाय की सहभागिता बेहद जरूरी है। मच्छर प्रजनन स्थलों को चिह्नित कर तथा मच्छर प्रजनन रोकने के उपायों के बारे में आम जनता को जागरूक किया जा रहा है। नागरिकों को पानी की टंकी तथा घरों के पानी के बर्तनों को ढक कर रखने, दिन में मच्छरों के काटने से बचाव को लेकर व्यक्तिगत सुरक्षा उपाय अपनाने की सलाह दी जा रही है।

हर संडे मनाएं ड्राई डे : डीसी

डीसी ने आमजन से आह्वान किया कि वे प्रत्येक रविवार अपने घर में ड्राई डे के तौर पर मनाएं व सभी पानी के बर्तनों, कूलर, टंकी, फ्रिज ट्रे, गमलों इत्यादि को खाली करके सुखाएं ताकि मच्छर के अंडे व लार्वा मर जाएं। डेंगू रोकने के लिए घरों के आस-पास गड्ढे को मिट्टी से भरवा दें, पूरी बाजू के वस्त्र पहनें, मच्छर रोधी दवा या क्रीम का उपयोग करें। कीटनाशक दवाई से उपचारित मच्छरदानी का उपयोग करें, छतों पर रखी पानी की टंकियों को ढक्कन लगाकर बंद रखें, बुखार आने पर डॉक्टर की सलाह अवश्य लें। इनमें से कोई भी लक्षण होने पर तुरन्त अपने नजदीकी चिकित्सा केन्द्र में खून की जांच करवाएं। चिकित्सक की सलाह से ही दवा लें, स्वयं से दवा का सेवन न करें।

डेंगू के लक्षण एवं बचाव के उपाय

सीएमओ विनोद कमल ने बताया कि डेंगू एडीज मच्छर के काटने से होता है, जिससे बचाव जरूरी है। यह मच्छर दिन में काटता और स्थिर एवं साफ पानी में पनपता है। तेज बुखार, बदन, सिर एवं जोड़ों में दर्द और आंखों के पीछे दर्द हो तो सतर्क हो जाएं। त्वचा पर लाल धब्बे या चकत्ते का निशान, नाक-मसूड़ों से या उल्टी के साथ रक्त स्राव होना डेंगू के लक्षण हैं। इन लक्षणों के साथ यदि तेज बुखार हो तो तत्काल अस्पताल जाएं और अपना इलाज करवाएं। यदि किसी व्यक्ति को पहले डेंगू हो चुका है तो उसे ज्यादा सतर्क रहने की जरूरत है। ऐसे व्यक्ति दोबारा डेंगू बुखार की आशंका होने पर सरकारी अस्पताल या फिर डॉक्टर से संपर्क करें। सभी तरह का बुखार डेंगू नहीं होता है। बुखार होने पर बिना समय गंवाए डॉक्टर से संपर्क करें। डॉक्टर जांच के बाद जैसा परामर्श दें उसके अनुसार अपना इलाज करवाएं। डेंगू होने की स्थिति में सभी मरीजों को अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता नहीं पड़ती है।

जिले में मिले डेंगू के 2 नए पॉजिटिव केस : सिविल सर्जन डॉ. विनोद कमल

करनाल। सिविल सर्जन डॉ. विनोद कमल ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग की ओर से आमजन को डेंगू से बचाव बारे सचेत व जागरूक किया जा रहा है। डेंगू की रोकथाम के लिए जन समुदाय की सहभागिता बेहद जरूरी है। मच्छर प्रजनन स्थलों को चिह्नित कर तथा मच्छर प्रजनन रोकने के उपायों के बारे में आम जनता को जागरूक किया जा रहा है।

सिविल सर्जन ने बताया कि वीरवार को जिला में डेंगू के 2 केस मिले हैं तथा जिले में अब तक 47 डेंगू के केस मिले हैं। अब तक 2,52,414 घरों को वीबीडी टीम द्वारा कवर किया जा चुका है, इसके लिए ग्रामीण व शहरी क्षेत्र में स्वास्थ्य विभाग की कुल 160 टीमें कार्य कर रही हैं।

करनाल के पत्रकार प्रवीण के घर पर हमले का असफल प्रयास

करनाल। डीजीपी शत्रुजीत कपूर अपराधियों पर लगाम लगाने के दावे कर रहे हैं और उनके निकम्मे मातहत जान से मारने के प्रयास, धमकी जैसे गंभीर मामले में केस दर्ज करना भी अपनी शान के खिलाफ समझते हैं। पत्रकार प्रवीण को नुकसान पहुंचाने की नीयत से देर रात उनके घर पर देवेंद्र खुराना उर्फ सोनू ने चढ़ाई कर दी। पत्रकार ने दरवाजा नहीं खोला तो देवेंद्र उनके दरवाजे की घंटी तोड़ गया और उनके बड़े भाई को फोन कर धमकी दी कि वह प्रवीण और उसके परिवार को खत्म कर देगा। थाने पहुंचे पत्रकार की रिपोर्ट तक नहीं दर्ज की गई और जांच अधिकारी ने उन्हें कई दिन तक टरकाया। आरोपी कांग्रेस पार्टी का नेता बताया जा रहा है, इसीलिए पुलिस कार्रवाई नहीं कर रही।

पत्रकार प्रवीण के अनुसार वह 18 अगस्त की रात घर पर सो रहे थे। रात करीब साढ़े ग्यारह बजे देवेंद्र खुराना मेन गेट तोड़ कर अंदर घुस आया। घर में घुसने के लिए दूसरा दरवाजा खोलने का प्रयास किया लेकिन सफल नहींहुआ। इस पर देवेंद्र ने 7861022222 नंबर से प्रवीण को कॉल की। आरोप है कि देवेंद्र का इरादा था कि फोन कर वह दरवाजा खुलवाएगा और पत्रकार पर हमला कर देगा। लेकिन गहरी नींद में होने के कारण प्रवीण फोन की बेल नहीं सुन सके और अनहोनी से बच गए। देवेंद्र खुराना ने दरवाजा नहीं खुलने पर उसकी घंटी तोड़ डाली और शराब की बोतल भी तोड़ कर वही फेंक गया।

सुबह उठे पत्रकार प्रवीण को अंदेशा हुआ कि रात में चोर आए थे। इस पर उन्होंने 19 अगस्त को पुलिस चौकी में इत्तिला दी कि रात में उन्हें अज्ञात नंबर से कॉल आई थी और घर में तोड़फोड़ हुई है। मुंशी ने उनका प्रार्थनापत्र एसआई रवींद्र वत्स को सौंप दिया। रिपोर्ट दर्ज करने को कहा तो मुंशी ने कहा कि जब जांच अधिकारी उसे देगा तभी तो केस दर्ज करेगा। रवींद्र वत्स जांच करने के नाम पर उन्हें चक्कर कटवाता रहा। पहले कहा कि एक अन्य केस निपटा लूं फिर मौका देखने चलता हूं, फिर कहा कि खाना का लूं, फिर कहा आधा घंटा आराम करूंगा फिर चलता हूं। इस तरह दो दिन बर्बाद करने के बाद मौका मुआयना करने पहुंचा।

इस दौरान पत्रकार प्रवीण कुमार को उनके बड़े भाई ने फोन कर बताया कि उनके पास देवेंद्र खुराना उर्फ सोनू का फोन 18 अगस्त की रात में आया था। देवेंद्र ने उनसे कहा था कि वह रात में प्रवीण के घर गया था लेकिन उसने दरवाजा नहीं खोला, मैं उसके परिवार को खत्म कर दूंगा, जान से मार दूंगा। कहा कि घर के अंदर मूत कर भी आया हूं। यह भी बोला कि उसके पास 1500 करोड़ रुपये हैं और वह करनाल से खट्टर के खिलाफ इलेक्शन लड़ रहा है, कांग्रेस से उसकी टिकट पक्की हो गई है। धमकी दी कि तुम्हारी ऐसी तेसी कर दूंगा, तुम्हारे परिवार को बर्बाद कर दूंगा। वह अपने आप को समालखा के विधायक का पार्टनर भी बताता है। पीड़ित ने इसकी जानकारी आईओ रविंदर वत्स को दी लेकिन उसने कुछ नहीं किया।

उन्होंने आईओ से शिकायत की रिसीविंग मांगी तो आईओ ने कहा कि आपका कोई सामान चोरी तो हुआ नहीं तो हम रिपोर्ट कैसे दर्ज कर लें। इसकी शिकायत उन्होंने चौकी इंचार्ज से की और कहा कि शिकायतपत्र वे पुलिस अधीक्षक कार्यालय में देंगे तब तो रिसीविंग मिलेगी। तब कहीं जानकार चौकी इंचार्ज ने उन्हें रिसीविंग दिलाई। चौकी इंजार्च ने आईओ रवींद्र वत्स को 7861022222 नंबर की लोकेशन पता लगाने का आदेश दिया। आईओ ने बताया कि यह फोन नंबर स्विच ऑफ है। पीड़ित ने आईओ को आरोपी का दूसरा नंबर दिया तो आईओ ने इनकार कर दिया और कहा कि जिस नंबर से रात आपको फोन आया था मैं उसी नंबर से फोन मिला करके पता करूंगा।

आईओ ने कई बार कहने के बावजूद आरोपी के मोबाइल नंबर की लोकेशन नहीं पता लगाई। प्रतीत होता है कि हमलावर ने पहले ही पुलिस से सांठगांठ कर ली है तभी तो जांच अधिकारी गंभीरता से काम नहीं कर रहा है। अगर पुलिस गंभीरता से तफ्तीश करे तो और भी कई मामले सामने आ सकते हैं। पुलिस का रवैया ऐसा है कि पार्टी पैसे दे तभी कार्रवाई की जाती है। बिना पैसे दिये कारवाई नही होती या फिर मोटी सिफारिश होनी चाहिये। पीड़ित ने अपने स्तर पर देवेंद्र खुराना की जानकारी निकाली है। आरोपी द्वारका में श्रीबालाजी ग्रुप के नाम से प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करता है लेकिन पुलिस हाथ पर हाथ रख कर बैठी है।

चन्द्रयान-3 की सफल लैंडिग पर भारत ने रचा इतिहास : त्रिलोचन सिंह

करनाल। कांग्रेस के जिला संयोजक सरदार त्रिलोचन सिंह ने चन्द्रयान-3 की सफल लैडिंग पर देशवासियों को बधाई देते हुए कहा कि भारत ने इतिहास रच दिया है। उन्होंने इसरो के सभी वैज्ञानिकों को बधाई देते हुए कहा कि हमारे वैज्ञानिकों की वर्षों पुरानी मेहनत रंग लाई है जिनके सफल प्रयासों के चलते आज देश अपने आपको गौरवान्वित महसूस कर रहा है। देश भर में उत्सव का माहौल है। भारत के मून मिशन चंद्रयान-3 ने 21वीं सदी का शानदार इतिहास रचते हुए चंद्रमा के साउथ पोल पर सफलतापूर्वक लैंडिंग कर ली है। पूरी दुनिया की निगाहें चंद्रयान-3 पर टिकीं थी। चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर कदम रखने वाला भारत दुनिया का पहला देश बन गया है, यह पूर्व की कांग्रेस सरकारों की दूरगामी सोच के तहत स्थापित किए गए इसरो के कारण ही संभव हो सका। इसरो ने इस यादगार पल को साकार कर 140 करोड़ भारतीयों के सपनों को पंख दे दिए और चांद पर भारत का झंडा लहरा दिया।